धन्यासि रागम् आदिताळम्

पल्लवि
नमश्शिवायते (हरहर) नमोभवाय

अनुपल्लवि
समानाधिक रहिताय शान्ताय स्वप्रकाशाय
प्रमोद पूरिताय भक्तेषु पालनाय

चरणम् – १
गङ्गाभङ्गतरङ्ग सङ्गतजटाजूटाय
सङ्गीतलोलाय शुभसङ्गताय
अङ्गजान्तरङ्ग मदभङ्गाय
स्फटिकोपमाङ्गाय श्रीशैषशैलाधीशमित्राय

चरणम् – २
गर्वितदानवलोक खण्डनाय श्री रजित
पर्वताग्र निलयाय पावनाय
सर्वलोक पापपुञ्ज निर्वापणाय शर्वाय
दर्वीकरभूषणाय सर्वोत्तमाय

चरणम् – ३
अण्डजाधिपवाहन काण्डाय मेरुशैलकोदण्डाय
शितकण्ठाय पण्डिताय मण्डित
त्रिपुर जयोद्दण्ड ताण्डवाय
ब्रह्माण्डनिलयाय महामायातीताय